समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 19 August 2026

चेन्नई मे दो अलग-अलग फर्जी बम धमकी मामलों मे दो गिरफ्तार, पुलिस ने सख्त किया सुरक्षा प्रबंध

Sanket Morankar Published on 14 Oct 2025

तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई के मदुरावोयाल इलाके में रविवार की सुबह बम धमकी की फर्जी सूचना देने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मदुरावोयाल के पल्लवन नगर पार्क और पास के एक मंदिर में बम लगे होने की सूचना मिलते ही पुलिस ने सघन जांच कर स्थिति को नियंत्रण में रखा। फर्जी धमकी का पता चलने के बाद भी पुलिस की सतर्कता से बड़ी दुर्घटना होने से बच गई।

रविवार (12 अक्टूबर) को सुबह एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस कंट्रोल रूम पर फोन कर पल्लवन नगर पार्क और मंदिर में बम लगने की झूठी सूचना दी। सूचना मिलते ही मदुरावोयाल पुलिस स्टेशन की टीम, बम निरोधक और निस्तारण दस्ते (BDDS) के साथ मौके पर पहुंची। स्निफर डॉग की मदद से पूरे इलाके की बारीकी से जांच की गई, लेकिन कोई विस्फोटक वस्तु नहीं मिली। यह स्पष्ट हो गया कि यह धमकी फर्जी थी।

पुलिस ने जांच के दौरान फर्जी कॉल करने वाले व्यक्ति का पता लगाया और उसे गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा, शहर के किसी अन्य हिस्से में भी एक और फर्जी बम धमकी मामले में आरोपी को हिरासत में लिया गया है। दोनों आरोपियों से कड़ी पूछताछ जारी है ताकि यह पता लगाया जा सके कि उन्होंने ऐसा क्यों किया और कहीं कोई और साजिश तो नहीं है।

चेन्नई पुलिस ने शहर के सभी प्रमुख इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। CCTV कैमरों की संख्या बढ़ाई गई है और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के लिए विशेष टीम तैनात की गई है। साथ ही पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे किसी भी संदिग्ध घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दें और अफवाहों पर भरोसा न करें।

फर्जी बम धमकी न केवल पुलिस विभाग के संसाधनों को व्यर्थ करती है, बल्कि इससे आम जनता में भय और असमंजस की स्थिति भी पैदा होती है। विशेषज्ञ बताते हैं कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए न केवल कड़ी कानून व्यवस्था जरूरी है, बल्कि लोगों में

जागरूकता फैलाना भी महत्वपूर्ण है। टेक्नोलॉजी का उपयोग कर संदिग्ध कॉल्स की पहचान कर उनकी रोकथाम संभव हो सकती है।

भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत फर्जी बम धमकी देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाती है। चेन्नई पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ गंभीर धाराओं के तहत मामला दर्ज कर आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस प्रकार के अपराधों को रोकने के लिए अदालत भी कड़ा रवैया अपनाती है।

चेन्नई में फर्जी बम धमकी देने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी पुलिस की सतर्कता का परिणाम है। ऐसे मामलों से न केवल कानून व्यवस्था प्रभावित होती है, बल्कि सामान्य जनता की सुरक्षा भी खतरे में पड़ती है। इसलिए भविष्य में ऐसे फर्जी धमकियों को रोकने के लिए पुलिस और जनता को मिलकर काम करना होगा। साथ ही, तेजी से बढ़ती तकनीक का उपयोग कर भी ऐसे अपराधों पर अंकुश लगाया जा सकता है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.